Hindi Syllabus

Golaghat Commerce College (Autonomous),

Golaghat - 785621

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना 2020 के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का अध्ययन विश्लेषण कैसे किया जाये, ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सके।

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका होती है। साथ ही बहुभाषित भारत में हिन्दी की अहमियत का पता चलता है। हम जानते है कि भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी है। यहाँ तक कि मानक हिन्दी भाषा के अन्तर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित है, जिनका साहित्य भी हिन्दी भाषा में समृद्ध कर रहा है। इसमें उल्लेखित पाठों को अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकेगा, साथ-साथ विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकेगा।

वर्तमान समय सूचना और क्रान्ति का समय है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा, ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन में भली-भाँति प्रयोग कर सके। अधिगम परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली में सुझाये गये पाठ्यक्रमों को यदि नवाचार की दृष्टि से लागू किया जाय, तो यह सम्पूर्ण समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। वर्तमान समय की माँग है कि साहित्य में स्थानीयता के साथ साथ राष्ट्रीय और वैश्विक को उसके वृहत्तर रुप से परिचित कराया जाय और साथ साथ हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि भी पैदा हो जाय। अतः हमारे विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों में रुचि बढ़ाएँ और हिन्दी साहित्य के प्रति अग्रसर हो जाए।

परिचय :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना 2020 के नई शिक्षा नीति के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाये। उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समय किस प्रकार विकसित की जाये, ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सकें।

उद्देश्य :

हिन्दी के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है :

(i) विद्यार्थियों को सचेत नागरिक बनाना।

(ii) एक कुशल वकता का निर्माण करना।

(iii) समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।

(iv) राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।

(v) स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना।

(vi) भाषा संबंधी कौशल का विकास करना।

(vii) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।

(viii) विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना।

(ix) सम्प्रेषण कौशल का विकास करना।

(v) समुह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत कराना।

स्नातकीय विशेषता :

1. अनुशासनात्मक ज्ञान :

- हिन्दी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता।
- विभिन्न साहित्यिक और महत्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता।
- विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषाविश्लेषण कौशल।
- विभिन्न सिद्धांतो के आधार पर पाठ विश्लेषण और पाठ आलोचना में योग्यता।
- सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता।
- साहित्य पढ़ने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भो में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा।

2. प्रेषणीयता :

- साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिन्दी कथन एवं लेखन कौशल का विकास।
- आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास।
- सम्प्रेषण क्षमता का विकास।

3. गंभीर विचार :

- विचारात्मक सोच का विकास।
- साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

4. समस्या समाधान :

- मौखिक एवं लिखित हिन्दी में आनेवाली समस्याओं का समाधान।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रश्नों का समाधान।
- हिन्दी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबन्धित समस्याओं का समाधान।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता :

- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचय।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल :

- अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन।
- अनुसंधान की मूल समस्यायों की पहचान।
- अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता :

- हिन्दी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ई-स्रोत का ज्ञान।
- हिन्दी भाषा में ई-पृष्ठों, ई-सामग्र-पत्रिकाओं और ई-ठियों के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता।

8. चिंतनशील सोच :

- शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता।

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :

हिन्दी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके।
2. हिन्दी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नवीनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना और साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता का विकास हो सके।
6. आधुनिक संदर्भो में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना।
7. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।
8. विद्यार्थी लेखन, वाचन और श्रवण के साथकर विकास का कल्पनाशक्ति साथ-ना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
9. हिन्दी साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान और रोजगार के नये नये मार्ग तलाशने योग्य बनेगा का।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना।
11. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना।

शिक्षण अधिगम पद्धति :

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा बहस
3. परिवेश का सृजन
4. समकालीन साहित्य का ज्ञान
5. अध्ययन से संबन्धित पर्यटन
6. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
7. तकनीकी का सहयोग

मूल्यांकन पद्धति :

1. गृह समनुदेशन
2. परियोजना रिपोर्ट
3. कक्षा प्रस्तुति
4. सामूहिक चर्चा
5. सत्र परीक्षा

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework
(List of proposed syllabus)

Year	Semester	Course	Title of the Course	Total Credit
Year 01	1st Semester	HINMAJ 1	साहित्य की अवधारणा	4
		HINMIN 1	साहित्य का परिचय : भाग 1	4
		HINAEC - 1	हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल	4
	2nd Semester	HINMAJ 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल	4
		HINMIN 2	साहित्य का परिचय : भाग 2	4
Year 02	3rd Semester	HINMAJ 3	हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल	4
		HINMAJ 4	भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा	4
		HINMIN 3	लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा	4
	4th Semester	HINMAJ 5	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता : विकास एवं विशेषताएँ	4
		HINMAJ 6	हिन्दी का गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान	4
		HINMAJ 7	हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान	4
		HINMIN 4	राजभाषा हिन्दी	4

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**साहित्य की अवधारणा**
Course Code	**:**	**HINMAJ 1**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य के अनेक रुप काव्य कथा गद्य, नाटक आदि के रुप में प्रकट होकर हमारी आँखों के सामने बड़े उज्ज्वल संसार के रहस्यों को उजाकर करते हैं। साहित्य पाठकों को क्षितिज को व्यापक बनाता है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य के प्रारंभिक परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में साहित्य की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ एवं महत्व से लेकर साहित्य की विविध विधाएँ कविता, निबंध, जीवनी साहित्य, कहानी, नाटक तथा उपन्यास पर पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : साहित्य की सम्यक परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : साहित्य के विभिन्न प्रकारों से परिचित होगें।

ILO 3 : साहित्य की विशेषताओं के बारें में जान सकेगें।

ILO 4 : हिन्दी साहित्य की महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त होगें।

CO 2 : साहित्य के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : साहित्य की विकास प्रक्रिया से समझ सकेगें।

ILO 2 : साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या को समझेगें।

ILO 3 : साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या को समझेगें।

CO 3 : साहित्य की विभिन्न गद्य विधाएँ के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : कविता की परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : विबंध की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निबंधों का सूत्रपात के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : जीवनी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना।

CO 4 : साहित्य की गद्य विधाएँ से परिचित कराना।

ILO 1 : कहानी के प्रकारों एवं महत्व से अवगत होगें।

ILO 2 : नाटक के उद्भव और विकास तथा नाटक के तत्वों का समझ होगें।

ILO 3 : एंकाकी की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार से परिचित कराना।

ILO 4 : उपन्यास के परिभाषा, तत्व एवं प्रकार को समझ सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य की अवधारणा

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**साहित्य का परिचय :** • साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व • साहित्य के प्रकार: (गद्य साहित्य, पद्य साहित्य, चम्पु साहित्य) • साहित्य की विशेषताएँ • हिन्दी साहित्य की महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	**साहित्य का विकास :** • साहित्य की विकास प्रक्रिया • साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या • साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**साहित्य की विधाएँ :** • कविता : परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय • निबंध : परिभाषा, विशेषताएँ, निबंधों का सूत्रपात • जीवनी : परिभाषा, स्वरुप, तत्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	• कहानी : तात्पर्य, प्रकार एवं महत्व • नाटक : उद्‌भव और विकास, नाटक के तत्व • एंकाकी : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार • उपन्यास : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का परिचय : डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56, T - 4, P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**साहित्य का परिचय : भाग 1**
Course Code	**:**	**HINMIN 1**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य के अनेक रुप काव्य कथा गद्य, नाटक आदि के रुप में प्रटक होकर हमारी आँखों के सामने बड़े उज्ज्वल संसार के रहस्यों को उजाकर करते हैं। साहित्य पाठकों को क्षितिज को व्यापक बनाता है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य के प्रारंभिक परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में साहित्य की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ एवं महत्व से लेकर साहित्य की विविध विधाएँ कविता, निवंध, जीवनी साहित्य, कहानी, नाटक तथा उपन्यास पर पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : साहित्य की सम्यक परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : साहित्य के विभिन्न प्रकारों से परिचित होगें।

ILO 3 : साहित्य की विशेषताओं के बारें में जान सकेगें।

ILO 4 : हिन्दी साहित्य की महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त होगें।

CO 2 : साहित्य के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : साहित्य की विकास प्रक्रिया से समझ सकेगें।

ILO 2 : साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या को समझेगें।

ILO 3 : साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या को समझेगें।

CO 3 : साहित्य की विभिन्न गद्य विधाएँ के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : कविता की परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : विबंध की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निबंधों का सूत्रपात के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : जीवनी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना।

CO 4 : साहित्य की गद्य विधाएँ से परिचित कराना।

ILO 1 : कहानी के प्रकारों एवं महत्व से अवगत होगें।

ILO 2 : नाटक के उद्भव और विकास तथा नाटक के तत्वों का समझ होगें।

ILO 3 : एंकाकी की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार से परिचित कराना।

ILO 4 : उपन्यास के परिभाषा, तत्व एवं प्रकार को समझ सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य का परिचय : भाग 1

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**साहित्य का परिचय :** • साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व • साहित्य के प्रकार: (गद्य साहित्य, पद्य साहित्य, चम्पु साहित्य) • साहित्य की विशेषताएँ • हिन्दी साहित्य की महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	**साहित्य का विकास :** • साहित्य की विकास प्रक्रिया • साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या • साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**साहित्य की विधाएँ :** • कविता : परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय • निबंध : परिभाषा, विशेषताएँ, निबंधों का सूत्रपात • जीवनी : परिभाषा, स्वरुप, तत्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	• कहानी : तात्पर्य, प्रकार एवं महत्व • नाटक : उद्‌भव और विकास, नाटक के तत्व • एंकाकी : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार • उपन्यास : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का परिचय : डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल**
Course Code	**:**	**HINAEC 1**
Nature of the Course	**:**	**Ability Enhancement Course**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भाषा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम है। यही नहीं, यह हमारे समाज के निर्माण, विकास, अस्मिता, सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति आदि के सभी अंगों में आवश्यक सूचना देकर समाज को अग्रसर करना ही भाषा का उद्देश्य रहता है। भाषा जगत के कार्यव्यापार एवं व्यवहार का मूल है। व्यक्ति जब भाषा का प्रयोग करता है, तो उसे कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे - उच्चारण की समस्या, लिंग निर्धारण की समस्या, वाक्यों के गठन, पत्र लेखन आदि। हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी पर इस पत्र में विशेष रुप में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों ने वर्तमान समाज में सही दिशा एवं दशा प्राप्त कर सकें।

CO1 : हिन्ही भाषा के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : भाषा परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : देवनागरी लिपि के उद्‌भव और विकास के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : देवनागरी लिपि की समस्याएँ और उनका समाधान के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी भाषा के विकास में प्रमुख वोलियों का योगदान से परिचित कराना।

ILO 1 : ध्वनियाँ (स्वर एवं व्यंजन) के प्रकार एवं प्रयोग को समझेगें।

ILO 2 : व्याकरण एवं उनके प्रयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : वाक्य व्यवस्था के बारे में सिखाना।

CO 3 : पत्राचार एवं पत्रलेखन की कला को सीखेगें।

ILO 1 : पत्रलेखन का महत्व, कला एवं उपयोगिता के बारे में सीखेगे।

ILO 2 : पत्रलेखन के बारे में सीखेगें।

CO 4 : हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी से परिचित होगें।

ILO 1 : इंटनरेट और हिन्दी के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : सोशल मीडिया और लेखन-कौशल को समझेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	• भाषा की परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ • देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास • देवनागरी लिपि की समस्याएँ और उनका समाधान	13	02	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी भाषा के विकास में प्रमुख बोलियों का योगदान :** • ध्वनियाँ - स्वर एवं व्यंजन के प्रकार एवं प्रयोग व्याकरण एवं प्रयोग : लिंग; वचन क्रिया; उपसर्ग; संधि **वाक्य व्यवस्था** : वाक्य, उपवाक्य, स्वरुप एवं भेद	13	02	-	15
3 (15 marks)	**पत्राचार एवं पत्रलेखन** • पत्र लेखन का महत्व, कला और उपयोगिता • पत्रलेखन औपचारिक एवं अनौपचारिक	13	02	-	15
4 (15 marks)	**हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी** • इंटरनेट और हिन्दी • हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर, वेबसाइट • सोशल मीडिया और लेखन - कौशल	13	02	-	15
	Total	52	08	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा, डॉ० हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कार्यालयी हिन्दी और कम्प्युटर : संदर्भ एवं प्रयोग, डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. आदर्श हिन्दी असमीया व्याकरण एवं रचना, डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
4. हिन्दी भाषा और व्याकरण : डॉ० समीर कुमार झा, नूरअफ्शा बेगम।
5. हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
6. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना : अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

::::::::::

SEMESTER II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल**
Course Code	**:**	**HINMAJ 2**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य किसी संस्कृति का ज्ञात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्धियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में इतिहास की परिभाषा, स्वरुप तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन एवं उसकी त्रुटियाँ, नामकरण की समस्या आदि पर विचार करते हुए आदिकालीन तथा भक्तिकालीन साहित्य पर एवं भक्तिकालीन काव्यधारा पर इस पत्र के पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त हो जाए। हिन्दी साहित्य के इतिहास से जब-तक विद्यार्थियों का परिचय नहीं होगा, तब-तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा।

CO1 : इतिहास का सामन्य परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी इतिहास के अर्थ एवं स्वरुप को जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को समझ सकेगें।

ILO 3 : हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के इतिहास से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : कालविभाजन की त्रुटियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

ILO 3 : नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO 3 : हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेगें।

ILO 3 : अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेगें।

CO 4 : हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल या स्वर्णयुग से परिचित कराना।

ILO 1 : भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है - उसे समझेगें।

ILO 3 : अष्टछाप के आठ कवियों से परिचित कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**इतिहास का सामान्य परिचय :** • इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा • हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय	14	01	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास :** • हिन्दी साहित्य का कालविभाजन • काल विभाजन की त्रुटियाँ • नामकरण की समस्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आदिकाल : सामान्य विवेचन** • आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चरित काव्य, रासो काव्य • अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	**भक्तिकाल : सामान्य परिचय** • भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • स्वर्णयुग • अष्टछाप के कवियों का परिचय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**साहित्य का परिचय : भाग 2**
Course Code	**:**	**HINMIN 2**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य किसी संस्कृति का ज्ञात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्धियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में इतिहास की परिभाषा, स्वरुप तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन एवं उसकी त्रुटियाँ, नामकरण की समस्या आदि पर विचार करते हुए आदिकालीन तथा भक्तिकालीन साहित्य पर एवं भक्तिकालीन काव्यधारा पर इस पत्र के पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त हो जाए। हिन्दी साहित्य के इतिहास से जब-तक विद्यार्थियों का परिचय नहीं होगा, तब-तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा।

CO1 : इतिहास का सामन्य परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी इतिहास के अर्थ एवं स्वरुप को जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को समझ सकेगें।

ILO 3 : हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के इतिहास से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : कालविभाजन की त्रुटियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

ILO 3 : नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO 3 : हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेगें।

ILO 3 : अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेगें।

CO 4 : हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल या स्वर्णयुग से परिचित कराना।

ILO 1 : भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है - उसे समझेगें।

ILO 3 : अष्टछाप के आठ कवियों से परिचित कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य का परिचय : भाग 2

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**इतिहास का सामान्य परिचय :** • इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा • हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय	14	01	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास :** • हिन्दी साहित्य का कालविभाजन • काल विभाजन की त्रुटियाँ • नामकरण की समस्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आदिकाल : सामान्य विवेचन** • आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चरित काव्य, रासो काव्य • अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	**भक्तिकाल : सामान्य परिचय** • भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • स्वर्णयुग • अष्टछाप के कवियों का परिचय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 52 T - 8 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल**
Course Code	**:**	**HINMAJ 3**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य में रीतिकाल उस काल से है, जिसमें निश्चित प्रणाली के अनुसार काव्य-काल का विकास हुआ। अर्थात् भक्तिकाल के बाद रीतिकाल का नाम आता है, जिसका समय संवत् १७०० से १९०० तक माना जाता है। आधुनिक काल को हिन्दी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ युग माना जा सकता है, जिसमें पद्य के साथ-साथ गद्य, समालोचना, कहानी, नाटक व पत्रकारिता का भी विकास हुआ। अतः इस काल के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी हासिल करना विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सकें।

CO1 : हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से परिचित कराना।

ILO 1 : रीतिकाल का नामकरण से अवगत होंगे।

ILO 2 : रीतिकालीन विभिन्न परिस्थितियों के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ से परिचित होगें।

CO 2 : रीतिकालीन प्रमुख कवियों का आचार्यत्व एवं रीतिकालीन काव्यधाराओं के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 1 : रीतिकालीन कवि केशवदास, देव, बिहारी, भूषण से परिचित होगें।

ILO 2 : रीतिकालीन काव्यधाराओँ के बारें में जान सकेगें।

CO 3 : आधुनिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी गद्य का आर्विभाव के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी गद्य के विकास का सोपान (भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग) की सामान्य विशेषताओं को समझेगें।

ILO 3 : महावीर प्रसाद द्विवेदी तथा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से परिचित होगें।

CO 4 : इस युग के कवि तथा उपन्यासकार से परिचित कराना।

ILO 1 : इस युग के कवियों के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : वर्तमान युग में हिन्दी गद्य का विकास के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : महिला उपन्यासकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जान सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**रीतिकाल : सामान्य परिचय** • रीतिकाल का नामकरण • रीतिकालीन परिस्थितियाँ • रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ	14	01	-	15
2 (15 marks)	**रीतिकालीन प्रमुख कवियों का आचार्यत्व** • केशवदास, देव, बिहारी, भूषण **रीतिकालीन काव्यधारा :** • रीतिबद्ध • रीतिसिद्ध • रीतिमुक्त	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आधुनिक काल : सामान्य विवेचन** • हिन्दी गद्य का आर्विभाव • हिन्दी गद्य के विकास का सोपान : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग (सामान्य विशेषताएँ) • महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका प्रदेय • आधुनिक युग के प्रवर्तक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	14	01	-	15
4 (15 marks)	**संक्षिप्त कवि परिचय :** • राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर', माखनलाल चतुर्वेदी • वर्तमान युग में हिन्दी गद्य का विकास • महिला उपन्यासकार (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) • सुभद्रा कुमारी चौहान • उषा प्रियंवदा	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
  - Others (any two) (20 marks)
    - Group Discussion
    - Seminar Presentation on any of the relevant topics
    - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्लष नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा**
Course Code	**:**	**HINMAJ 4**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज की उन्नत्ति और विकास की आधारशिला रखता है। हिन्दी साहित्य के संदर्भ में अमीर खुसरो से लेकर तुलसी, कबीर, जायसी, रहीम, प्रेमचंद, भारतेन्दु, द्विवेदी, निराला, नागार्जुन तक की श्रृंखला के रचनाकारों ने समाज नवनिर्माण में अभुतपूर्व योगदान दिया है। हिन्दी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग की विचारधाराओं पर ज्ञान हासिल करना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : भारतेन्दु युग के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु युग की अवधारणा के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा के बारे में सीखेगें।

ILO 4 : भारतेन्दुयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दुयुगीन विभिन्न काव्यधारा के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 3 : द्विवेदी युग के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : द्विवेदीयुग की अवधारणा के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : द्विवेदीयुग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : द्विवेदीयुग की काव्यधारा के बारें में सीखेगें।

ILO 4 : द्विवेदीयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि की रचनाएँ बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**भारतेन्दु युग (पूनर्जागरण काल) का परिचय :** • भारतेन्दु युग की अवधारणा • भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा • भारतेन्दुयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ	14	01	-	15
2 (15 marks)	**भारतेन्दु युगीन काव्यधारा :** • राष्ट्रीयता, सामाजिक चेतना, भक्ति-भावना, श्रृंगारिकता, प्रकृति-चित्रण समस्यापुर्ति, काव्यानुवाद **भारतेन्दु-युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ :** • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र • बदरी नारायण, चौधरी 'प्रेमधन' • प्रताप नारायण मिश्र • जगन्मोहन सिंह • अम्बिकादत्त व्यास • राधाकृष्ण दास	14	01	-	15
3 (15 marks)	**द्विवेदी युग (जागरण-सुधार काल) का परिचय :** • द्विवेदी युग की अवधारणा • द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • द्विवेदी युग की काव्यधारा • द्विवेदी युगीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ	14	01	-	15
4 (15 marks)	**द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :** • राष्ट्रीयता • सामान्य मानवता • नीति और आदर्श • वर्ण्य-विषय का क्षेत्र-विस्तार • हास्य-व्यंग्य काव्य • भाषा परिवर्तन • छन्द - वैविध्य **द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ :** • महावीर प्रसाद द्विवेदी • अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' • मौथिलीशरण गुप्त • रामनरेश त्रिपाठी	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
  - Others (any two) (20 marks)
    - Group Discussion
    - Seminar Presentation on any of the relevant topics
    - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा**
Course Code	**:**	**HINMIN 3**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भारतवर्ष में लोक साहित्य का अक्षय भंडार है। लोक साहित्य के इस अक्षय भंडार में इतनी शक्ति छिपी हुई है कि उससे हम अपने देश की सामाजिक, ऐतिहासिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों का देश-काल के अनुसार अध्ययन करते हुए उससे नई अवधारणाओं को जन्म दे सकते हैं। लोक साहित्य की परम्परा कदाचित उतनी ही पुरानी है, जितनी पुरानी मनुष्य जाति। अतं विद्यार्थियों को इस परंपरा को वर्तमान संदर्भ में जोड़कर उनमें परस्पर समन्वय स्थापित कर अध्ययन करना परम आवश्यक है। इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है।

CO1 : लोक साहित्य के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : लोक साहित्य की परिभाषा, महत्व एवं क्षेत्र से अवगत होगें।

ILO 2 : लोक साहित्य के भौगोलिक, पौराणिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में समझ होगें।

ILO 3 : लोक साहित्य और लोक संस्कृति में अंतर को समझ सकेगें।

CO 2 : लोक साहित्य अध्ययन का विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : लोक साहित्य संकलन की उद्देश्य, संकलन की विधि से परिचित होगें।

ILO 2 : लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO 3 : लोक साहित्य की विविध विधाओं के प्रति रुचि पैदा कराना।

ILO 1 : लोकगीत की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : लोक कथा की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में परिचय कराना।

ILO 3 : लोकगाथा की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकारों से अवगत होगें।

ILO 4 : लोकनाट्य की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 4 : असमिया लोक साहित्य से परिचय कराना।

ILO 1 : असमिया लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं लक्षण के बारे में परिचित कराना।

ILO 2 : लोकगीत में से बिहुगीत, संस्कार गीत, ऋतु विषयक गीतों से परिचित होगें।

ILO 3 : असमिया लोककथा और समाज के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 4 : लोकगाथा जैसे-लौकिक मालिता में से जयमंती कुँवरी की मालिता से परिचय कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	• लोक साहित्य : परिभाषा, महत्व एवं क्षेत्र • लोक साहित्य : भौगोलिक, पौराणिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि • लोक साहित्य और लोक संस्कृति में अंतर	14	01	-	15
2 (15 marks)	**लोक साहित्य अध्ययन का विकास :** • लोक साहित्य का संकलन : उद्देश्य, संकलन की विधि • लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान	14	01	-	15
3 (15 marks)	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** **(परिभाषा, बिशेषताएँ, महत्व)** • लोकगीत • लोककथा • लोकगाथा • लोकनाट्य	14	01	-	15
4 (15 marks)	**असमिया लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं लक्षण** • लोकगीत : बिहुगीत, संस्कार गीत, ऋतु विषयक गीत • लोककथा : असमिया लोककथा और समाज • लोक गाथा : लौकिक मालिता (जयमती कुंवरी की मालिता)	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य के सिद्धान्त एवं परम्परा : डॉ० श्रीराम शर्मा, हरीश प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
2. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
3. असमिया लोक साहित्य : एक विश्लेषण : डॉ० हरेराम पाठक, गोपिका प्रकाशन, लखनऊ।
4. गोवालपरिया लोक साहित्य : स्वरुप और मूल्यांकन : डॉ० समीर कुमार झा, कौस्तुभ प्रकाशन, डिब्रुगड़, असम।

::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता : विकास एवं विशेषताएँ**
Course Code	**:**	**HINMAJ 5**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकालीन (10 वीं से 13 वीं शताब्दी) से प्रारंभ होता है और मध्यकाल (14 वीं से 18 वीं शताब्दी) तक विस्तृत होता है। इस कालखंड में हिन्दी भाषा का विकास विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के प्रभाव से हुआ। आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता में अनेक रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त किया। आदिकाल में अनेक रचनाएँ वीर रस, श्रृंगार रस और भक्ति रस से युक्त थी। मध्यकालीन कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भक्ति भावना को अभिव्यक्त किया। अतःइस काल के कवियों की रचनाओं को जाने बिना उस युग का मूल्यांकन करना संभव नहीं है। इसलिए, इस काल की कविताओं का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक हो जाता है। इस बात का ध्यान रखते हुए पाठ्यक्रम में इस पत्र को रखा गया है।

CO1 : आदिकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओँ से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता का विकास एवं विशेषताएँ के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : आदिकालीन हिन्दी कवि विद्यापति और उनकी कविताओं से परिचित होगें।

ILO 3 : कवयित्री मीराबाई और उनकी कविताओं की जानकारी मिलेगी।

ILO 4 : रसखान की कविताओं से परिचित होगें।

CO 2 : मध्यकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : कबीरदास और उनकी कविताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : जायसी का पद्मावती वियोग खंड एवं नखरिख खंड के पदों के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO 3 : सूरदास और तुलसीदास की कविताओं पर प्रकाश डालना।

ILO 1 : सूरदास के पदों से परिचित होंगे।

ILO 2 : तुलसीदास के 'विनय पत्रिका', 'कवितावली' और 'दोहावली' के पदों के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : केशवदास के रामचन्द्रिका से परिचित कराना।

ILO 1 : केशवदास के रामचन्द्रिका के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : बिहारी के कुछ चुने हुए दोहों के माध्यम से उनकी भक्ति और नीति समझ पायेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता : विकास एवं विशेषताएँ

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**आदिकालीन हिन्दी कविता :** • आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता का संक्षिप्त विकास एवं विशेषताएँ • **विद्यापति** : 1. देख-देख राधा रुप अपार 2. बड़ सुख-सार पाओल तुअ तीरे 3. हे हरि, हे हरि सुनिए स्रबन भरि • **मीराबाई** : 1. साँवरो, नन्द नँदन, दीठ पड़्याँ माई 2. माई म्हारी हरिहूँणा बूइयाँ बात 3. आवत मोरी गलियन में गिरिधारी • **रसखान** : 1. मानुष हौं तौ वही 'रसखानि' 2. मोर-पंखा सिर ऊपर राखिहौं 3. सेस महेस गनेस दिनेस	14	01	-	15
2 (15 marks)	**मध्यकालीन हिन्दी कविता :** • **कबीर** : 1. दुलहिनीं गावहु मंगलचार 2. अवधू मेरा मनु मतिवारा 3. माया महा ठगिनी हम जानी • **जायसी** : 1. पद्मावती वियोग खंड (पद : 1, 2, 3, 4) 2. नखशिख खंड (पद : 1, 2, 3, 4)	14	01	-	15
3 (15 marks)	• **सूरदास** : 1. मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै 2. गोपालहि माखन खान दै 3. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत • **तुलसीदास** : 1. अब लौं नसानी अब न नसैहौं ('विनय-पत्रिका' से) 2. सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने, सयानी है जानकी जानी भली ('कवितावली' से) 3. दोहे (1, 2, 3, 4) (दोहावली से)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• **केशवदास** : (**'रामचन्द्रिका' से**) 1. बानी जगरानी की उदारता बखानी जाय 2. हाथी न साथी न घोरे न चेरे न, गाऊँ न ठाऊँ को नाऊँ विलैहै। 3. बालक - मृणालनि ज्यों तोरि डारै सब काल • **बिहारी : प्रथम 8 (आठ) दोहे**	14	01	-	15
		56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
  - Others (any two) (20 marks)
    - Group Discussion
    - Seminar Presentation on any of the relevant topics
    - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. विद्यापति की पदावली, रामप्रसाद गोस्वामी असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
2. मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली : रामकिशोर शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
3. जायसी ग्रन्थावली : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।
4. मध्यकालीन काव्य-संग्रह : प्रस्तुतकर्ता : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा विश्वविद्याल प्रकाशन, वाराणसी।
5. काव्य सुषमा : सत्यकाम विद्यालंकार, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी का गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान**
Course Code	**:**	**MINMAJ 6**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भारतेन्दु युग हिन्दी गद्य के बहुमुखी विकास का युग है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य से परिचय होना जरुरी है। हिन्दी में गद्य लेखन 19वीं शताब्दी के मध्य अर्थात आधुनिक युग में शुरु हुआ। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी गद्य की विकासयात्रा के साथ विभिन्न गद्य विधाओं के स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य की अतीत से लेकर वर्तमान तक सही दिशा एवं दशा का पता चल सकें।

CO1 : हिन्दी गद्य साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : आदिकालीन हिन्दी गद्य के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : उत्तर आधुनिक गद्य के शक्ति, दुर्बलताएँ एवं समस्याएँ को समझ पायेगें।

CO 2 : हिन्दी निबंध साहित्य का विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दुयुगीन एवं द्विवेदीयुगीन निबंधों की सामान्य विशेषताएँ के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : छायावाद युगीन एवं छायावादोत्तर हिन्दी निबंधों के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : प्रमुख निबंधकारों की नयी प्रतिभाएँ से परिचित होगें।

CO 3 : हिन्दी कहानी साहित्य का विकास से परिचित कराना

ILO 1 : कहानी साहित्य का उद्भव और विकास का जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : विविध कहानी आन्दोलन और उनकी उपलब्धियाँ पर प्रकाश डालना।

ILO 3 : समकालीन रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होगें।

CO 4 : हिन्दी नाटकों के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु पूर्व युग में नाटकों का अभाव के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : प्रसादयुगीन नाटकों से परिचित कराना।

ILO 3 : प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यासों पर प्रकाश डालना।

ILO 4 : मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकारों के बारे में जान सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी का गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**गद्य साहित्य का परिचय :** • हिन्दी गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास • आदिकालीन हिन्दी गद्य • उत्तर आधुनिक गद्य : शक्ति, दुर्बलताएँ एवं समस्याएँ	14	01	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी निबन्ध साहित्य का विकास :** • भारतेन्दु युगीन एवं द्विवेदीयुगीन निबन्धों की सामान्य विशेषताएँ • छायावाद युगीन एवं छायावादोत्तर हिन्दी निबंध साहित्य • नयी प्रतिभाएँ : ठाकुरप्रसाद सिंह, हरिशंकर परसाई, नामवर सिंह, धर्मवीर भारती और डॉ० महेन्द्रनाथ पाण्डेय • निबंध - साहित्य का भविष्य	14	01	-	15
3 (15 marks)	**हिन्दी कहानी साहित्य का विकास :** • हिन्दी कहानी साहित्य का उद्‌भव और विकास • विविध कहानी आन्दोलन और उनकी उपलब्धियाँ **समकालीन रचनाकार का सामान्य परिचय :** • भीष्म सहानी • मुक्तिबोध • मोहन राकेश • कृष्णा सोबती • मन्नु भण्डारी	14 14	01 01	- -	15 15
4 (15 marks)	**हिन्दी नाटक विकास :** • भारतेन्दु पूर्व युग में नाटकों का अभाव • प्रसाद युगीन नाटक • प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास • मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार : जैनेन्द्र, इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय	56	04	-	60
Total					

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
  - Others (any two) (20 marks)
    - Group Discussion
    - Seminar Presentation on any of the relevant topics
    - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान**
Course Code	**:**	**HINMAJ 7**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

कहानी उतनी ही पुरानी है, जितनी मानव की बोली या भाषा। जब से मनुष्य ने कहना सीखा तभी से कहानी का भी प्रारंभ हो गया। हिन्दी कहानी के प्रारंभ के अन्तसुत्रक भारत की प्राचीन कथा परम्परा से जुड़ा माननेवाले भी कुछ विद्वान है तो कुछ इस विधा को पाश्चात्य की देन मानते हैं। पिछले एक सदी में हिन्दी कहानी ने आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रगतिवाद, मनेविश्लेषणवाद, आंचलिकता आदि के दौर से गुजरते हुए शुदीर्घ मात्रा में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिन्दी कहानी कहा आरम्भ किशोरीलाल गोरुवामी की 'इन्दुमती' (1909) से मानते है। चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' को हिन्दी की आधुनिक कहानी का प्रारंभ होता है। हिन्दी कहानी साहित्य में नयेपन का प्रारंभ प्रेमचंद से होता है। सन 1950 ई. तक आते - आते कहानी की कथा-शिल्प में पर्याप्त परिवर्तन हो चुका था। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हिन्दी कहानी साहित्य के प्रमुख कहानीकारों की कहानियाँ विकास के चरण के आधार पर चयन किया गया है।

CO1 : हिन्दी कहानी का जन्म एवं नामकरण से लेकर प्रमुख कहानीकारों के कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी कहानी का जन्म और नामकरण (1900-1910) के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की मूल सवेदना से परिचित होगें।

ILO 3 : प्रेमचन्द्र की 'कफन' कहानी के माध्यम से जीवन की वास्तविकता से परिचित होगें।

CO 2 : कहानीकार जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय और उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : जैनेन्द्र कुमार की 'पत्नी' कहानी के माध्यम से आदर्श चरित्र के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : अज्ञेय की कहानी 'शरणदाता' के माध्यम से विभाजन की त्रासदी को समस्त सकेगें।

ILO 3 : उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानी 'डाची' में व्यक्त मानवीय मूल्य जैसे कि मानवता, मित्रता एवं सहयोग का बोध करवाना।

CO 3 : कहानीकार मोहन राकेश फणीश्वरनाथ 'रेणु' और मन्नु भण्डारी के कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' से परिचित होगें।

ILO 2 : फणीश्वरनाथ 'रेणु' की 'तीसरी कसम' कहानी के माध्यम से सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व से परिचित होगें।

ILO 3 : मन्नु भंडारी की 'यही सच है' कहानी की मूल संवेदना से परिचित होगें।

CO 4 : कहानीकार कृष्णा सोबती, शिवप्रसाद सिंह, ज्ञानरंजन के कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : कृष्णा सोबती की कहानी 'सिक्का बदल गया' से परिचित होगें।

ILO 2 : शिवप्रसाद सिंह की कहानी 'नन्हों' के माध्यम से मूल संवेदना से परिचित होगें।

ILO 3 : ज्ञानरंजन की कहानी 'पिता' का रसास्वादन करेंगे।

ILO 4 : कहानी साहित्य का भविष्य के बारे में जानकारी मिलेगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**हिन्दी कहानी का जन्म और नामकरण (1900-1910)** • प्रारंभिक हिन्दी कहानियाँ • उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी • कफन : प्रेमचंद	14	01	-	15
2 (15 marks)	• पत्नी : जैनेन्द्र कुमार • शरणदाता : अज्ञेय • डाची : उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	14	01	-	15
3 (15 marks)	• मलबे का मालिक : मोहन राकेश • तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ 'रेणु' • यही सच है : मन्नु भंडारी	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सिक्का बदल गया : कृष्णा सोवती • नन्हों : शिवप्रसाद सिंह • पिता : ज्ञानरंजन • कहानी-साहित्य का भविष्य	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
- Others (any two) (20 marks)
  - Group Discussion
  - Seminar Presentation on any of the relevant topics
  - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी संग्रह डॉ० समीर कुमार झा और डॉ० जोनटि दुवरा, अधिकरण प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कहानी संग्रह : काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. हिन्दी कहानियाँ : आचार्य रमाशंकर तिवारी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
5. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI MINOR

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**राजभाषा हिन्दी**
Course Code	**:**	**HINMIN 4**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी हमारी राजभाषा है और यह उसका संवैधानिक अधिकार है। भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त होने के कारण हिन्दी का प्रयोजनमूलक रुप अत्यधिक उपयोगी तथा सक्रिय होने के साथ उसके प्रगामी प्रयोग की अनेक दिशाएँ उद्घाटित हुई है। अतः राजभाषा की संवैधानिक स्थिति, हिन्दी का प्रयोग-क्षेत्र, कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होना आवश्यक हो जाता है। इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : हिन्ही भाषा की संकल्पना से परिचित कराना

ILO 1 : मौखिक, लिखित, मातृभाषा, साहित्यिक, सम्पर्क, संचार, सर्जनात्मक, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 2 : राजभाषा की संवैधानिक स्थिति के बारे में परिचित होगें।

ILO 1 : राजभाषा आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, राष्ट्रपति का आदेश, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प, राजभाषा नियम, हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश के बारे में सीखेगें।

CO 3 : हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र से परिचित होगें।

ILO 1 : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पन विशेषताएँ एवं प्रकारों के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली को सीखेगें।

ILO 1 : कार्यालयी हिन्दी, पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निर्माण के सिद्धान्त तथा प्रयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : राजभाषा हिन्दी

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Honours
1 (15 marks)	**हिन्दी भाषा की संकल्पना :** • मौखिक भाषा • लिखित भाषा • मातृभाषा • साहित्यिक भाषा • सम्पर्क भाषा • संचार भाषा • सर्जनात्मक भाषा • राष्ट्रभाषा • राजभाषा	14	01	-	15
2 (15 marks)	**राजभाषा : संवैधानिक स्थिति** • राजभाषा आयोग (1955) • संसदीय राजभाषा समिति (1957) • राष्ट्रपति का आदेश (1960) • राजभाषा अधिनियम (1963) • राजभाषा संकल्प (1968) • राजभाषा नियम (1976) • हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश - 1952, 1955, 1960	14	01	-	15
3 (15 marks)	**हिन्दी का प्रयोग क्षेत्र** • भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना • भाषा प्रयुक्ति की विशेषताएँ • भाषा प्रयुक्ति के प्रकार	14	01	-	15
4 (15 marks)	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** • कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी में अन्तर • पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा एवं विशेषताएँ • निर्माण के सिद्धान्त • कार्यालयी पारिभाषिक शब्दावली के प्रयोग	14	01	-	15
	Total	56	04		60

-

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : (40 marks)

- **Two Internal Examination (20 marks)**
  - Others (any two) (20 marks)
    - Group Discussion
    - Seminar Presentation on any of the relevant topics
    - Debate

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. कार्यालयी हिन्दी और कम्प्युटर : डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी -221001
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. डॉ० जोनटि दुवरा, अधिकरण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. राष्ट्रभाषा विचार संग्रह : डॉ० न. चिं, जोगलेकर, पूणे विद्यार्थी गृह प्रकाशन, पूणे।

::::::::::